रामनवमी पर 12 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित, दो हजार किसानों को दिन में बिजली मिलेगी

भजनलाल की सरकार के समय कुसुम प्लांटों के द्वारा राज्य में रोज 10 मेगावाट क्षमता ग्रिड से जुड़ रही है

जयपुर, 27 मार्च। पीएम-कुसुम योजना में राजस्थान डिस्कॉम्स द्वारा कुल 12 सौर ऊर्जा संयंत्र राम नवमी के पावन अवसर पर स्थापित किए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 23.60 मेगावाट है। जयपुर, अजमेर और जोधपुर में 4-4 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हुए हैं। ये संयंत्र बूंदी, अलवर, कोटपूतली, अजमेर, नागौर, डीडवाना, सीकर, बीकानेर, बालोतरा और जोधपुर सर्किल में लगे हैं। इनसे प्रदेश के गांव-ढाणी तक सौर ऊर्जा पहुंच रही है। एक साथ 12 सौर संयंत्रों के ग्रिड से जुड़ने पर 2 हजार से अधिक किसानों को अब दिन में खेती के लिए बिजली उपलब्ध हो सकेगी।

राजस्थान के गांव-ढाणी में कुसुम कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी में अब तक 3585 मेगावाट के 1617 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। कुसुम कम्पोनेंट-ए में 686 मेगावाट के 496 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इसमें राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। वहीं, कम्पोनेंट-सी में 2899 मेगावाट के 1121 प्लांट लग चुके हैं। इसमें राजस्थान का द्वितीय स्थान है। योजना के अंतर्गत फीडर लेवल सोलराइजेशन में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने इसी वर्ष जनवरी माह में दिल्ली में आयोजित हुए ऑल इंडिया डिस्कॉम्स एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में राजस्थान डिस्कॉम्स को गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

विगत समय में प्रदेश में कुसुम प्लांटों के स्थापित होने की गति और तेज हुई है। जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगम क्षेत्र में औसतन तीन से चार नए प्लांट प्रतिदिन लग रहे हैं, जिनसे औसतन 10 मेगावाट क्षमता प्रतिदिन ग्रिड से अतिरिक्त जुड़ रही है।

- कुसुम कम्पोनैंट-ए में राज्य में 686 मेगावाट के 496 संयंत्र स्थापित हुए हैं और राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। कम्पोनैंट-सी में 2899 मेगावाट के 1121 प्लांट लग चुके हैं तथा राजस्थान का इसमें देश में दूसरा स्थान है।

कम्पोनेंट-ए में सर्वाधिक 86 प्लांट्स अकेले बीकानेर जिले में स्थापित हुए हैं। इसके पश्चात, 34 सौर ऊर्जा संयंत्र जोधपुर तथा 32 सौर संयंत्र झुंझुनूं सर्किल में लग चुके हैं। वहीं कम्पोनेंट-सी में फलौदी में 24,561, जोधपुर में 22,469 तथा बीकानेर में 22003 सोलर पंपों को ऊर्जीकृत किया जा चुका है।

'मैं दस दिनों तक ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला नहीं करुंगा'

वाशिंगटन/तेहरान, 27 मार्च। अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच 28 फरवरी से छिड़े युद्ध पर अब राष्ट्रपति डॉनल्ड के स्वर कुछ धीमे पड़े हैं। उन्होंने अहम घोषणा की है कि अमेरिका 06 अप्रैल तक ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला नहीं करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वे ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमले पर लगी रोक को एक हफ्ते से ज्यादा समय के लिए बढ़ा रहे हैं।

सीबीएस न्यूज और अल जजीरा चैनल की रिपोर्ट्स में कहा गया कि

- डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले के लिए लगी रोक 6 अप्रैल तक बढ़ाते हुए टिप्पणी की

राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि अमेरिका ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर हमलों पर लगी रोक को 06 अप्रैल तक बढ़ाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि वे ईरानी सरकार के अनुरोध पर इस रोक को बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ने इससे पहले सोमवार को ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले पर पांच दिन की रोक की घोषणा की थी। यह शनिवार को खत्म होने वाली है। उन्होंने लिखा, "ईरानी सरकार के अनुरोध के अनुसार, कृपया इस बयान को इस बात का प्रमाण मानें कि मैं ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट करने की अवधि को 10 दिनों के लिए बढ़ाकर सोमवार, 06 अप्रैल, 2026 को रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक कर रहा हूं।"

इस साल दुगनी संख्या में स्टैप ईगल बीकानेर के जोड़-बीड़ पहुँचे

विशेषज्ञों के अनुसार, मंगोलिया से आने वाले बाजों ने ईरान युद्ध के कारण बीकानेर-जैसलमेर को अपना ठिकाना बनाया

बीकानेर, 27 मार्च। ईरान-इज़रायल युद्ध के कारण पहली बार एक साथ 2200 स्टैप ईगल (बाज) ने बीकानेर के जोड़बीड़ में ठिकाना बनाया है। यह संख्या पिछली बार से लगभग दोगुनी है। पिछली बार यहां करीब 1200 बाज देखे गए थे। स्टैप ईगल रूस-मंगोलिया से उड़कर हर साल ईरान-इराक की तरफ रुख करते थे तथा राजस्थान में बहुत कम संख्या में रुकते थे। इस बार 25 दिन का सफर तय कर इनके दो बड़े झुंड बीकानेर के जोड़बीड़ और जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क में रुके हैं। डेजर्ट नेशनल पार्क में इनकी संख्या करीब 1700 है। इतनी तादाद देखकर एक्सपर्ट भी हैरान हैं। खास बात यह है कि इनमें 70 फीसदी स्टैप ईगल किशोर (जूवनाइल) हैं। इनकी उम्र 2 साल से भी कम है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मिडिल ईस्ट में युद्ध से इनके आवास प्रभावित हुए हैं। इनके रहने की जगह खत्म हो चुकी है। इसी वजह से ये विदेशी पक्षी इन सबसे ज्यादा संरक्षित जगहों पर रुक गए हैं। पिछले 20 साल से गिद्ध संरक्षण पर अनुसंधान कर रहे बीकानेर के वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट डॉ. दाऊ लाल बोहरा का कहना है- स्टैप ईगल मध्य एशिया, रूस और मंगोलिया से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर 25 दिन में भारत पहुँचते हैं। पहले इनकी सीमित संख्या होती थी। राजस्थान में बाज की यह प्रजाति पिछले 15 साल से नियमित आ रही है। पिछले तीन साल में इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़ी है।

- बीकानेर के वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ डॉ. दाऊ लाल बोहरा के अनुसार, दक्षिण एशिया में गिद्धों के लिए प्रसिद्ध जोड़-बीड़ की स्टैप ईगल के कारण अंतर्राष्ट्रीय पहचान बन रही है, पर, इससे पारिस्थितिक असंतुलन हो सकता है व कुछ संक्रामक बीमारियों के फैलने का भी खतरा खड़ा हो सकता है।

डॉ. दाऊ लाल बोहरा ने जनवरी 2026 में बीकानेर, चूरू के ताल छापर और गंगीतासर, जैसलमेर और फलोदी में सर्वे किया था।

इस बार सबसे चौंकाने वाला आंकड़ा बीकानेर के जोड़बीड़ से सामने आया है, जहां 2200 से ज्यादा स्टैप ईगल की संख्या दर्ज की गई है।

डॉ. दाऊ लाल बोहरा का कहना है कि ईरान-इराक में भी स्टैप ईगल पहुंचे हैं, लेकिन उनकी संख्या कम हुई है। डॉ. बोहरा ने कहा, स्टैप ईगल अप्रैल के अंत तक यहां रुकेंगे। हमारे लिए अच्छी बात ये है कि दक्षिण एशिया में गिद्धों के लिए प्रसिद्ध जोड़बीड़ अब स्टैप ईगल के कारण भी अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहा है।

डॉ. बोहरा का कहना है कि इतने सारे ईगल का आना एक तरह से रेड फ्लैग भी है। एक साथ इतने सारे पक्षियों के आने से यहां पारिस्थितिक असंतुलन हो सकता है। कुछ संक्रामक बीमारियों (जैसे बर्ड फ्लू) का खतरा बना रहेगा। यह प्रवास विनाश या बदलते मौसम के कारण भोजन और सुरक्षा की तलाश में सामूहिक पलायन की निशानी भी है। इससे पहले, साल 2008 में बीकानेर के जोड़बीड़ में 40 स्टेपी ईगल मर गए थे। दरअसल, जोड़बीड़ में मृत पशुओं को यहां डेरा जमाने वाले गिद्ध के भोजन के लिए डाला जाता है। पशुओं को न्यूमेसुलाइड, डायक्लोफिनेक, एसिक्लोफिनेक जैसी दवाएं दी जाती हैं और मृत पशुओं का मांस खाने से स्टैप ईगल की मौत होने की पुष्टि हुई थी।

रुपए की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद रुपये की कीमत लगातार गिरती चली गई, जिसके कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर बाद रुपया अभी तक सबसे निचले स्तर 94.85 के स्तर तक गिर गया। हालांकि बाद में भारतीय मुद्रा मामूली रिकवरी कर 94.84 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई।

पेट्रोल व डीज़ल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और डीज़ल की कीमतों में कोई कमी नहीं देखी गई। वहीं, सरकार ने कहा है कि यह कटौती ऐसे समय में तेल कंपनियों के नुकसान को कम करने के लिए की गई है, जब कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 122 डॉलर हो गई है।

पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "मोदी सरकार के पास दो विकल्प थे। या तो अन्य देशों की तरह, भारत के लोगों के लिए कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर दी जाए, या फिर अपने वित्तीय बोझ को खुद उठाया जाए, ताकि भारत के नागरिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव से सुरक्षित रहें।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक बार फिर अपने वित्तीय संसाधनों पर बोझ डालने का फैसला किया है।"

पुरी के बयान का सार यह है कि उत्पाद शुल्क में कटौती का मकसद तेल कंपनियों के नुकसान को कम करना था और पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी को रोककर भारतीय नागरिकों को सुरक्षा दी जा रही थी।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का लगभग आधा हिस्सा आयात करता है।

रामनवमी पर 35 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे हैं।

रामनवमी के दिन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को फूलों, रोशनी और रंग-बिरंगी लड़ियों से सजाया गया था। सुबह से ही मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और आरती का सिलसिला चल रहा था। श्रीराम लला के सूर्य के किरण से मस्तकाभिषेक का दृश्य देखने लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामनगरी पहुंचे।

बेंगलुरु के वैज्ञानिकों की विकसित प्रणाली में सूर्य की किरणों को सटीक रूप से श्रीरामलला के मस्तक तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। दिन में ठीक दोपहर 12 बजे रामलला के दिव्य भाल पर भगवान सूर्य की किरण का स्वर्णिम तिलक किया गया।

बालेन्द्र शाह नेपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संसदीय क्षेत्र से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को लगभग 50 हजार मतों के अंतर से हराकर प्रतिनिधि सभा सदस्य का चुनाव जीता था।

शाह मंत्रिपरिषद में स्वर्णिम वाग्ले को वित्त मंत्री बनाया और सुदन गुरूंग को गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है।

शिशिर खनाल को विदेश मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है। सुनिल लम्साल को भौतिक पूर्वाधार, परिवहन तथा शहरी विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है।

कोटा के सुल्तानपुर में 100 बीघा फसल आग से नष्ट हुई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी विकराल थी कि इसकी लपटें दूर से दिखाई पड़ रही थी

कोटा, 27 मार्च (निसं)। जिले के सुल्तानपुर इलाके में खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में शुक्रवार को अचानक से आग लग गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, आग एक से दूसरे खेत में पहुंचती गई और लगातार आगे बढ़ती रही। करीब 80 से 100 बीघा के बीच की फसल आग की चपेट में आने से जलकर नष्ट हो गई, आस-पास के कई किसानों की फसल आग की चपेट में आ गई।

गेहूं के खेत में खड़ी फसल में आग लगने की सूचना मिलते ही कई जगहों से अग्निशमन विभाग की दमकलें मौके पर पहुंचीं, खेत में लगी आग पर जब तक काबू पाया गया, तब तक आग से कई किसानों को काफी नुकसान हो चुका था।

सुल्तानपुर थाना अधिकारी दौलत साहू ने बताया कि खेतों में आग की सूचना मिलने पर जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल कंट्रोल रूम से मदद मांगी। आग आसपास के खेतों में लगातार बढ़ रही थी, आग की सूचना पर दमकलें मौके पर पहुंचीं और तीन से चार दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

थानाधिकारी ने बताया कि किसानों ने ज्ञापन दिया है, मामले की जांच की जा रही है। आग की चपेट में आने से कचोलिया निवासी किसान जगदीश मीणा के करीब 50 बीघा खेत में फसल जल गई। पड़ोसी खेत मालिक जालमपुरा निवासी महावीर मीणा का 14 बीघा में से 6 बीघा की फसल आग की चपेट में आ गई, आसपास के 7 से 8 किसानों के खेतों में आग फैल गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें दूर-दूर दिख रही थीं। धुआं भी तेजी से फैल रहा था। इस घटना की जानकारी लोगों ने तत्काल पुलिस को दी थी।

- भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा कलमंडा के अनुसार, पेट्रोल पम्प के पीछे ट्रांसफार्मर पर एक जम्पर का तार टूट कर लटक रहा था। हवा के कारण तारों के टकराने से संभवतः स्पार्किंग हुई और उसमें उठी चिंगारी से किसानों के खेत जलकर खाक हो गए।

फिलहाल आग लगने का कारण सामने नहीं आया। ट्रांसफार्मर के आसपास आग नहीं थी। ऐसे में आशंका है कि तारों में स्पार्किंग हुई होगी, जो खेत में पहुंच गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि गेहूं के खेतों में आग की सूचना मिलते ही दिगोद सहित, अन्य जगहों से दमकलें मौके पर भेजीं और दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा कलमंडा का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही किसानों पर भारी पड़ी है। इसने किसानों को खून के आंसू रुलाया है। पेट्रोल पम्प के पीछे स्थित ट्रांसफार्मर पर एक जम्पर का तार टूटी हुई अवस्था में लटक रहा है। हवा चलने से तारों के सम्पर्क में आने से स्पार्किंग होने से चिंगारी के कारण किसानों के खेतों में खड़ी 100 बीघा से ज्यादा फसल जलकर नष्ट हो गई है।

जिला मंत्री रूपनारायण यादव ने कहा कि बिजली विभाग लाइन व ट्रांसफार्मर के रखरखाव पर लाखों रुपए का बजट खर्च करता है लेकिन छोटी सी लापरवाही ने किसानों को लाखों का नुकसान पहुंचा दिया है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह गिरावट

नई दिल्ली, 27 मार्च। पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 मार्च को समाप्त हफ्ते में 11.413 अरब डॉलर घटकर 698.346 अरब डॉलर रह गया है। इसके पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार में भारी गिरावट की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार घटा है। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार में 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते के दौरान 4.88 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी तथा यह अब तक के सबसे उच्चतम स्तर 728.49 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

कुमारन ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त बने

नई दिल्ली, 27 मार्च। भारत सरकार ने वरिष्ठ राजनयिक पेरियासामी कुमारन को यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) में भारत का नया उच्चायुक्त नियुक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि कुमारन जल्द ही अपना पद संभालेंगे।

पश्चिम एशिया संकट पर मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन मीटिंग की

मीटिंग में इस संकट से निपटने के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई

नई दिल्ली, 27 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। यह बैठक डिजिटल माध्यम से हुई। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की गई। आदर्श आचार संहिता के कारण चुनावी राज्य इस बैठक में शामिल नहीं हुए। चुनावी राज्यों के मुख्य सचिवों के लिए एक अलग बैठक होगी, जो कैबिनेट सचिवालय के माध्यम से की जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजिटल माध्यम से यह बैठक टीम इंडिया की भावना के तहत राज्यों और केन्द्र के बीच तालमेल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। यह पहला अवसर है, जब प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी को अमेरिका-इज़रायल के ईरान पर हमले से शुरू हुए पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर मुख्यमंत्रियों के साथ इस तरह की बैठक की। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अपने खाड़ी पड़ोसी देशों और इज़रायल पर हमले किए।

बैठक में आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, पंजाब के भगवंत मान, गुजरात के भूपेन्द्र पटेल, जम्मू-कश्मीर के उमर अब्दुल्ला, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सिंह सुक्खू और अरुणाचल प्रदेश के पेमा खांडू सहित कई मुख्यमंत्री शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी इस बैठक में मौजूद थे।

- जिन राज्यों में चुनाव हैं उनके मुख्यमंत्री आचार संहिता के कारण मीटिंग में शामिल नहीं हुए, उन राज्यों से मुख्य सचिवों ने मीटिंग में शिरकत की थी।

एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये मुख्यमंत्रियों से बातचीत की और राज्यों की तैयारियों व योजनाओं की समीक्षा की। बैठक का फोकस टीम इंडिया की भावना के तहत तालमेल सुनिश्चित करना था। आचार संहिता लागू होने के कारण चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। कैबिनेट सचिवालय चुनाव वाले राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्य सचिवों के साथ अलग बैठक करेगा।

खाड़ी देशों के युद्ध में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह विश्वास दिलाया कि ईरान में भी हजारों किलोमीटर दूर ऐसी ही जीत हासिल की जा सकती है।

लेकिन ज़मीनी हकीकत तब बिल्कुल अलग निकली, जब ईरान मिसाइलों और ड्रोन से लैस होकर जवाब देने सामने आया। अमेरिका बेहतर परिणाम की उम्मीद में था, लेकिन अमेरिका की इच्छा एक मृगतृष्णा साबित हुई और अब तक पूरी नहीं हुई। अब तक की प्रतिक्रियाओं को देखते हुए स्पष्ट है कि चाहे ईरान को कितना भी नुकसान हो, वह वेनेज़ुएला की तरह पूरी तरह आत्मसमर्पण करने वाला नहीं है।

इस अभियान ने एक और बात पूरी तरह स्पष्ट कर दी है कि डॉनल्ड ट्रंप बड़े-बड़े दावे तो करते रहे, लेकिन उनमें ठोस आधार कम था। ट्रंप ने अपने सबसे बड़े सहयोगी, पश्चिमी यूरोप, के सामने भी अपनी साख खो दी है, जो अब तक नाटो ढांचे के तहत उनका एक मजबूत सहयोगी था।

अब वह ढांचा टूट चुका है, नाटो पहले जैसा कभी नहीं रहेगा और अमेरिका अपने नाटो सहयोगियों पर भरोसा नहीं कर सकता, खासकर तब, जब उसे उनकी सबसे ज्यादा जरूरत हो, जबकि पहले ऐसा सोचना भी मुश्किल था।

डॉनल्ड ट्रंप और उनके करीबी सहयोगी, जैसे जे.डी. वेंस और पीट हेगसेथ, ने यूरोप की आलोचना इस तरह से की, जैसी पहले कभी किसी अमेरिकी नेता ने नहीं की। ट्रंप के सहयोगियों ने तो यूरोप को रूस के खतरे का सामना कराने तक की धमकी दे दी।

विडंबना यह है कि ट्रंप को इन्हीं सहयोगियों से होर्मुज़ स्ट्रेट खोलने के लिए मदद की गुहार लगानी पड़ी। लेकिन यह प्रयास पूरी तरह विफल रहा और नाटो सहयोगियों ने बिना किसी हिचकिचाहट के ट्रंप की अपील ठुकरा दी।

उन्होंने ईरान के खिलाफ युद्ध में ट्रंप के साथ खड़े होने से साफ इनकार कर दिया, यहाँ तक कि ट्रंप की धमकियों की भी उपेक्षा कर दी। यही इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता है, लोगों ने ट्रंप की धमकियों और शेखी को अब गंभीरता से लेना बंद कर दिया है और वे उन्हें साफ तौर पर "ना" कह सकते हैं। ट्रंप बार-बार अलग-अलग रूपों में अपील कर रहे हैं, लेकिन कोई परिणाम नहीं मिल रहा।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव नज़दीक आने के साथ, ट्रंप को अब जनता की नजरों में अपनी छवि का ध्यान रखना होगा। उनकी छवि को अपूरणीय क्षति पहुँची है और उनकी धमकियों का असर पहले जैसा नहीं रहा।

दूसरी ओर, भले ही एक राज्य के रूप में ईरान की नीतियाँ आलोचना योग्य रही हों, लेकिन देश ने अपनी राजधानी और महत्वपूर्ण स्थलों पर हवाई हमलों से भारी नुकसान झेला है। ईरान को अब अपनी बुनियादी संरचना को फिर से शून्य से खड़ा करना होगा, जैसा उसे पहले करना पड़ा था।

आर्थिक रूप से भी, बमबारी और विनाश के कारण ईरान आने वाले कई वर्षों तक कमज़ोर रहेगा।

सिर्फ अमेरिका ही नहीं, ईरान भी इस स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता चाहता है।

'डेढ़ करोड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाहर का मामला है। उन्होंने कहा कि नगर निगम को इस व्यवसायिक गतिविधि पर यूडी टैक्स वसूलने का अधिकार है, इस हिसाब से ट्राइटन मॉल के ऊपर 3 करोड़ रुपए (टैक्स व पेनल्टी) बनता है।

उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा जयपुर के सभी शॉपिंग मॉल्स और कमर्शियल बिल्डिंगों में जहां-जहां थर्ड पार्टी द्वारा पार्किंग संचालित है, उनको वर्ष 2007 से यूडी टैक्स वसूली का नोटिस थमाया है, जिसे लेकर याचिकाएं हाईकोर्ट में पेश की गई हैं।

गौरतलब है कि कई शॉपिंग मॉल, जो वर्ष 2007 के कई साल बाद शुरू हुए हैं, उनको भी वर्ष 2007 से ही बकाया यूडी टैक्स चुकाने के लिए नोटिस थमाया गया है, जैसे मन उपासना, जो वर्ष 2013 में बनकर तैयार हुआ था, परंतु उसे नोटिस वर्ष 2007 से ही मिला है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी।

कुवैत का बंदरगाह ड्रोन हमले में क्षतिग्रस्त

कुवैत सिटी, 27 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 28 दिनों से जारी युद्ध के बीच शुक्रवार को ईरान ने कुवैत के व्यवसायिक बंदरगाह शुवैख पर ड्रोनों ने हमला किया।

इससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ और तुर्किए की संवाद समिति अनाडोलू के अनुसार, कुवैत पोर्ट्स अथॉरिटी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ईरान के ड्रोन हमले से शुवैख बंदरगाह की सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है और अब तक किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

- ईरान के हमले में शुवैख बंदरगाह की सुविधाओं को नुकसान पहुँचा, कोई घायल नहीं हुआ।

शुवैख बंदरगाह कुवैत के प्रमुख और व्यापक वाणिज्यिक बंदरगाहों में से एक है, जिसने देश की उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति शृंखला और सामान्य माल आयात प्रणाली में लंबे समय से अग्रणी भूमिका निभाई है।

बीकानेर के गाढ़ वाला में खेजड़ी के 26 पेड़ काटे

खेजड़ी कटाई पर रोक के आदेश के बाद से अब तक खेजड़ी के 138 पेड़ काटे गए

बीकानेर, 27 मार्च। राज्य सरकार ने पूरे राजस्थान में राजकीय वृक्ष खेजड़ी की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल विधानसभा में 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लाने का आश्वासन भी दे चुके हैं। लेकिन, बीकानेर में प्रशासन को, लगता है, इसकी परवाह ही नहीं है। बीकानेर के गाढ़वाला गांव में खेजड़ी के 26 पेड़ों पर आरी चलाकर उन्हें धराशायी कर दिया गया है। फरवरी में खेजड़ी कटाई पर रोक के आदेश जारी होने के बाद, बीकानेर में अब तक 138 पेड़ काटे जा चुके हैं, किन्तु एक भी मामले में प्रशासन ने ठोस कार्रवाई नहीं की है।

फरवरी में पर्यावरण प्रेमियों ने बीकानेर में "खेजड़ी बचाओ" आन्दोलन शुरू कर महापड़ाव डाला था तो सरकार का ध्यान इस ओर गया। आंदोलनकारियों से वार्ता के बाद, पूरे प्रदेश में सरकार द्वारा खेजड़ी कटाई पर रोक लगाने की घोषणा की गई। जिलों के कलेक्टर और राजस्व विभाग के अधिकारियों को खेजड़ी कटाई रोकने पर निगरानी रखने का जिम्मा सौंपा गया। इसके बाद 11 दिन चला महापड़ाव 12 फरवरी को खत्म हो गया।

- घटना बीकानेर से 15 किलोमीटर दूर गाढ़ वाला गाँव में प्रेम सिंह जाट के खेत में हुई। बताया जाता है दिन में कुछ लोग आए थे, सर्वे के लिए, रात में फिर पेड़ काटे गए।
- ग्रामीणों का आरोप है कि यह कटाई सोलर प्लांट के लिए की गई है, ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी रोष है।

बीकानेर से मात्र 15 किमी दूर गाढ़वाला में नापासर की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते में खेजड़ी के 26 पेड़ काट दिए गए। ग्रामीणों ने बताया कि जहां खेजड़ी काटी गई है, वो 30 बीघा जमीन जेएनवी कॉलोनी निवासी प्रेमसिंह जाट की है। दिन में वहां कुछ गाड़ियां आई थीं, जिनमें सवार लोगों ने निरीक्षण किया और चले गए थे। रात को 14 बीघा क्षेत्र में 26 खेजड़ियों को आरियों से काट दिया गया। गुरुवार सुबह जब पर्यावरण प्रेमियों ने खेजड़ी के पेड़ कटे देखे तो ग्रामीण इकट्ठा हुए और राजस्व विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई। पटवारी, वनपाल और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और रिपोर्ट तैयार की। खेजड़ी के पेड़ किसने और क्यों काटे, कोई भी जिम्मेदार अधिकारी इसका जवाब नहीं दे सका।

पटवारी राकेश डूडी, गिरदावर रामदेव सारस्वत, रेंजर महेश जाखड़, वनरक्षक मालम सिंह सहित, ग्रामीण, वन्यजीव प्रेमी रामगोपाल बिश्नोई, हरिराम खीचड़, रामकिशन बिश्नोई मौजूद थे। पर्यावरण संघर्ष समिति के संयोजक रामगोपाल बिश्नोई ने कहा कि एक बार फिर प्रशासन की नाक के नीचे गाढ़वाला में खेजड़ी के पेड़ काट दिए गए हैं। इन पेड़ों पर गोरैया पक्षी के घोंसले थे, जो नष्ट हुए हैं। इसके बावजूद, वन विभाग की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

आशंका है कि खेजड़ी के पेड़ सोलर प्लांट लगाने के लिए ही काटे गए हैं। पर्यावरण प्रेमी मोखराम धारणिया का कहना है कि खेजड़ी बचाओ आन्दोलन के बाद भी लगातार खेजड़ी का कटना नौकरशाहों की तानाशाही का नतीजा है। सरकार ने बीकानेर में पर्यावरण प्रेमियों से बातचीत की थी और खेजड़ी की कटाई पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया था। आदेश जारी कर दिए गये थे। कलेक्टर, राजस्व विभाग के अधिकारियों को निगरानी का जिम्मा सौंपा गया था। लेकिन अफसर सरकार के आदेशों की खिल्ली उड़ा रहे हैं। बीकानेर में ही नहीं, श्रीगंगानगर, जोधपुर, जैसलमेर में भी खेजड़ी काटी गई है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908